श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटरा

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक—प्रगति विवरण
(जुलाई 2018 - जून 2019)

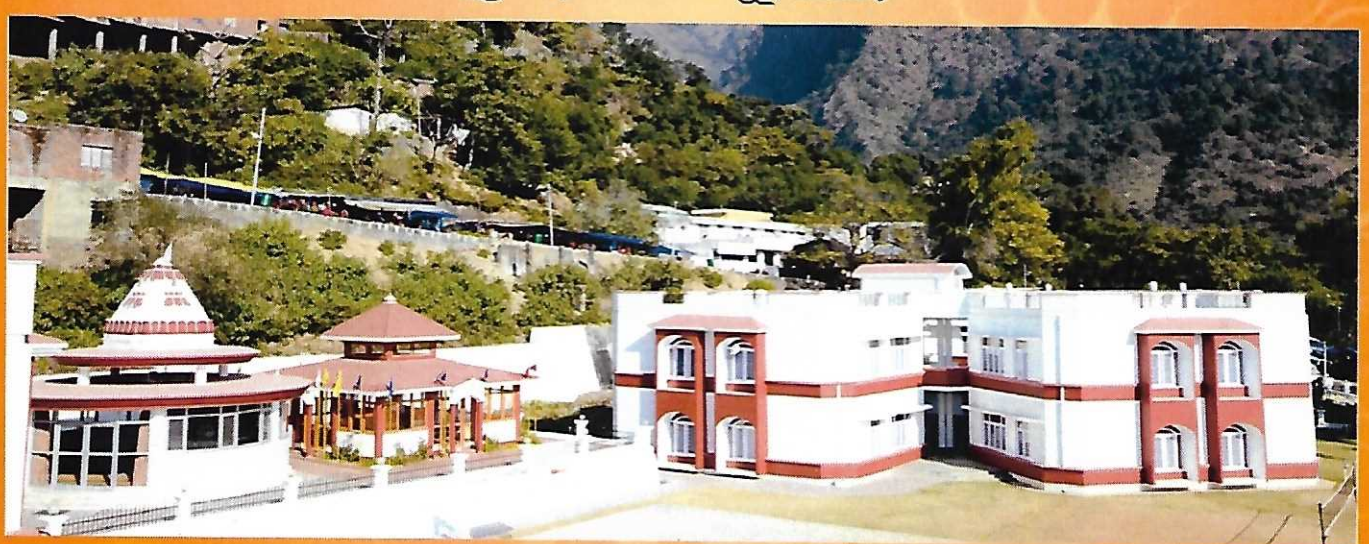

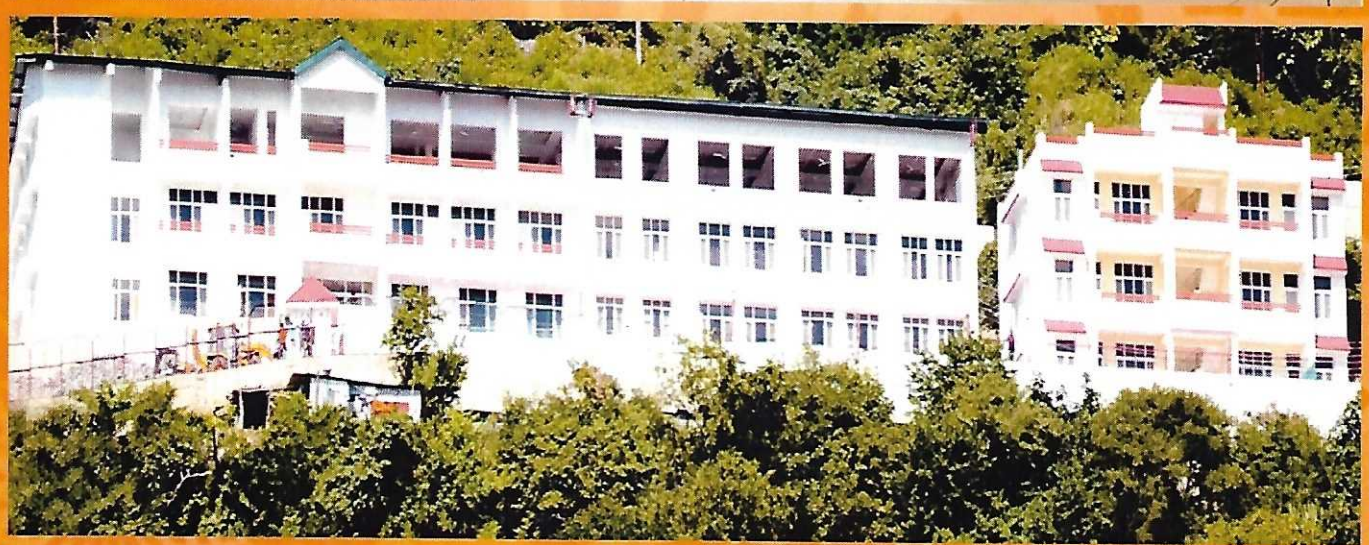

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल भवन का चित्र)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक–प्रगति विवरण

(जुलाई 2018 - जून 2019)

सम्पादक

डॉ0 अरविन्द करवानी (KAS)

उपमुख्यकार्यकारी अधिकारी (SMVDSB),
प्रशासक, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

प्रकाशक
श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल
चरणपादुका, कटरा
(जम्मू व कश्मीर)
www.smvdgurukul.in
Email : smvdgurukul@maavaishnodevi.net

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि! समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः।।

माता वैष्णो देवी की असीम अनुकम्पा से आज श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल अपने नवें वर्षगांठ को वार्षिकोत्सव के रूप में आयोजित कर रहा है। इस गुरुकुल की स्थापना का उद्देश्य रहा है कि भारतीय वैदिक परम्परा में जो ज्ञान का अथाह भण्डार भरा हुआ है, उस असीमित ज्ञानसम्पदा को इस गुरुकुल से अधीत छात्रों द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जन जन तक पहुँचाया जाए।

वस्तुतः शास्त्रों में कहा गया है — **'संस्कृतं नाम दैवी वाक् अन्वाख्याता महर्षिभिः'** अर्थात् ऋषि मुनियों के काल से उपयोग में लाई जा रही यह संस्कृत भाषा देवभाषा है और यह इसकी वैज्ञानिकता का सबसे प्रमुख साक्ष्य है कि इस भाषा की हजारों–लाखों वर्ष पूर्व जो संरचना थी वह आज भी विद्यमान है। इसी संस्कृत भाषा में विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ 'ऋग्वेद' आज भी अपने लाखों वर्ष पूर्व के अर्थों को यथावत् बनाए हुए है जो कि संस्कृत भाषा के अत्यन्त वैज्ञानिक होने के कारण सम्भव हो रहा है।

गुरुकुल में अध्ययनरत समस्त छात्रों को इस भाषा में समुपलब्ध समस्त ज्ञानराशि से परिपूर्ण करने के साथ इन छात्रों में विनम्रता, परोपकारिता, राष्ट्रभक्ति, आदि अनेक नैतिक गुणों का आधान भी हमारा प्रमुख कर्त्तव्य रहा है। क्योंकि ज्ञान के तत्वार्थ का बोध विनम्रतादि गुणों के बिना सम्भव नहीं है। जैसा कि श्रीमद्भगवद्गीता में उल्लिखित है —

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया ।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्वदर्शिनः ।।

विनम्रता साधन तो है ही ज्ञानप्राप्ति का, अपितु विद्या प्राप्ति का साध्य भी है, जैसे —

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्।।

वर्तमान समय में भी आधुनिक शिक्षा के साथ प्राचीन वैदिक भारतीय विद्या के ज्ञानार्थ गुरुकुल की अत्यन्त आवश्यकता है। गुरुकुल के निर्माण का यह संकल्प भगवती मां वैष्णवी की कृपा से श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अन्तः करण में उदय हुआ। जिसके फलस्वरूप दिनांक 01 जुलाई 2010 को "श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल" का प्रारम्भ श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के द्वारा किया गया।

वेदमन्त्रों से गुञ्जायमान यहाँ का प्राकृतिक सुरम्य वातावरण सरस्वती पीठ कश्मीर क्षेत्र का वही गौरव दिला रहा है, जो इसे प्राचीन भारतीय इतिहास में प्राप्त था। न केवल वेद, अपितु यहाँ व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शनादि शास्त्रीय ज्ञान की अविरल गंगा नित्य प्रवाहित होती हुई विश्व को एक ऐसी पीढ़ी प्रदान कर रही है जो भारतीय वैदिक संस्कृति को पुनः प्रतिष्ठापित कर भारत को विश्वगुरु होने का गौरव दिलाएगी। आधुनिक समय में हमारे प्राचीन शास्त्रों की उपयोगिता को पूरा विश्व जाने और समझे इसके लिए वैदिक शास्त्रों के साथ–साथ आधुनिक विषयों का ज्ञान भी सर्वथा अपेक्षित है। अतः यहाँ के छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, संगीत, योगविज्ञान, विभिन्न प्रकार के खेल, संगणक (कम्प्यूटर) इत्यादि विषयों की भी शिक्षा दी जा रही है। यह गुरुकुल प्राची और प्रतीची का सुन्दर मेल है। गुरुकुल के छात्रों के जागरण से लेकर शयन तक की दिनचर्या सुव्यवस्थित, अनुशासनात्मक और आदर्शपूर्ण है, जिससे छात्रों का न केवल बौद्धिक विकास होता है।अपितु उनके जीवन में सदाचार, अनुशासन, श्रेष्ठता, सच्चरित्रता, आध्यात्मिकता का भी समावेश होता है। भगवती वाग्देवी माँ सरस्वती की साधना, उपासना और अथक परिश्रम का ही यह फल है कि यहाँ के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम फहराया है। सन् 2013 से लेकर अब तक हर वर्ष यहाँ के छात्रों ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी से स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं। राष्ट्रिय स्तर की शास्त्रीय कण्ठपाठ प्रतियोगिताओं में भी यहाँ के छात्रों ने हर वर्ष प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए हैं। माँ वैष्णवी से हम प्रार्थना करते हैं कि यह गुरुकुल हमारी भारतीय वैदिक संस्कृति को पुनः प्रतिष्ठापित कर भारत को फिर से विश्वगुरु होने का गौरव प्राप्त कराए।

। जय माता दी ।

सम्पादक

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

1. परिचय :

1.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, विश्वप्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के आधार शिविर कटरा (जम्मू व कश्मीर) से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका में स्थित है। **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा स्थापित इस गुरुकुल का संचालन स्थापन बोर्ड द्वारा ही किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएँ, पुस्तकालय, आधुनिक भाषा प्रयोगशाला, आचार्य निवास, छात्रावास, विविध क्रीडांगण एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

1.2. गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य :

- भावी पीढ़ी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सार्थक समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना,
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास करना,
- भावी पीढ़ी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना,
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना,
- नई पीढ़ी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

1.3. सम्बद्धता :

इस गुरुकुल को प्रथमा तृतीय वर्ष(अष्टम) से आचार्य (स्नातकोत्तर) कक्षा पर्यन्त **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

1.4. अध्ययनार्थ उपलब्ध विषय :

गुरुकुल में कक्षा **प्रथमा प्रथम वर्ष (षष्ठ)** से **प्रथमा तृतीय वर्ष (अष्टम)** पर्यन्त पारम्परिक विषयों— वेद, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, पुराणेतिहास एवं तुलनात्मक दर्शन के साथ ही आधुनिक विषय— विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणक (कंप्यूटर) की शिक्षा दी जाती है। पूर्वमध्यमा प्रथम (नवम) से वेद एवं ज्योतिष का ऐच्छिक पारम्परिक विषय के रूप में और व्याकरण, साहित्य एवं दर्शन का अनिवार्य पारम्परिक विषय के रूप में अध्यापन होता है। आधुनिक विषयों में केवल गणित एवं अंग्रेजी की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त समस्त छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा के विकास हेतु योग एवं संगीत का समुचित प्रशिक्षण दिया जाता है। भाषागत (संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी) दक्षता को विकसित करने के उद्देश्य से भाषाप्रयोग का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

1.5. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटरा द्वारा निम्नलिखित व्यवस्थाएँ पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध की गई हैं —

1.5.1 छात्रों हेतु :

- आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की निःशुल्क व्यवस्था,
- छात्रों की आरोग्यता हेतु चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था।

(प्रखण्ड–प्रथम एवं द्वितीय के छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रगण)

1.5.2 अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था :

गुरुकुल परिसर में अध्ययन हेतु कुल–**21** कक्ष निर्मित हैं, जिनमें अध्ययन कक्षों के अतिरिक्त निम्नलिखित कक्ष हैं–

(क) प्रार्थना कक्ष :

गुरुकुल में प्रतिदिन प्रात: प्रार्थना एवं योगाभ्यास तथा अन्य सामूहिक कार्यों के सम्पादनार्थ एक सभागार प्रार्थना कक्ष के रूप में विद्यमान है।

(प्रार्थना कक्ष में सामूहिक प्रार्थना करते हुए छात्रगण)

(ख) पुस्तकालय :

छात्रों में स्वाध्याय की प्रवृत्ति एवं सामूहिक अध्ययन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से तथा ज्ञान–विज्ञान के विविध साहित्य से छात्रों को परिपोषित करने हेतु गुरुकुल परिसर में लगभग **2000** प्राचीन–अर्वाचीन ग्रन्थ एवं पत्रिकाओं से सुसज्जित तथा संवर्द्धित एक समृद्ध पुस्तकालय की व्यवस्था है। वर्तमान में **179** छात्र इस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

(ग) संगणक कक्ष :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को पारम्परिक ज्ञान–विज्ञान का आधुनिक प्रकल्पों के माध्यम से विश्वपटल पर स्थापित करने में दक्ष करने के उद्देश्य से कुल **24** अत्याधुनिक संगणक यन्त्रों से सुसज्जित एक संगणक कक्ष की व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से सभी छात्रों को संगणक के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पक्षों से अवगत कराया जाता है।

(घ) भाषा प्रयोगशाला :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी सम्बन्धी भाषागत समस्याओं के निराकरणार्थ भारत शासन के द्वारा प्रायोजित त्रिभाषा–सूत्र का अनुसरण करते हुए एक अत्याधुनिक भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जिसमें एक साथ **27** छात्र भाषा अध्ययन से लाभान्वित होते हैं।

(ङ) संगीत–शिक्षण कक्ष :

छात्रों में गायन एवं वादन कला विकसित करने हेतु विविध वाद्ययन्त्रों का प्रायोगिक ज्ञान तथा गायन सम्बन्धी स्वर एवं ताल का विशिष्ट प्रशिक्षण निरन्तर दिया जा रहा है। छात्र संस्कृत स्तोत्रों, संस्कृत गीतों एवं संस्कृत छन्दों के गायन का नित्य अभ्यास करते हैं।

1.5.3 स्वास्थ्य–चिकित्सा व्यवस्था :

छात्रों की आरोग्यता हेतु छात्रावास में समुचित चिकित्सकीय परीक्षण की सुविधा है तथा आकस्मिक प्राथमिक उपचार हेतु औषधि इत्यादि की भी समुचित व्यवस्था विद्यमान है। यथासमय छात्रों के विशेष चिकित्सकीय परीक्षण हेतु गुरुकुल में सम्बन्धित विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमन्त्रित किया जाता है। छात्रों के लिए स्थापन बोर्ड द्वारा नवस्थापित अत्याधुनिक चिकित्सालय (श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल, ककड़्याल) में विविध प्रकार की उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

1.5.4 क्रीडा सम्बन्धी व्यवस्थाएँ :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ–साथ शरीरिक विकास हेतु क्रीडा, व्यायाम एवं योगाभ्यास की समुचित व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत छात्रों की सुविधा हेतु गुरुकुल परिसर में सुन्दर बास्केटबाल क्रीडा क्षेत्र, वालीबॉल क्रीडा क्षेत्र, बैटमिन्टन,एवं क्रिकेट के लिए सुसज्जित क्रीडा क्षेत्र के साथ ही आभ्यन्तर क्रीडाओं (शतरंज, कैरम बोर्ड तथा टेबल टेनिस) की भी व्यवस्था है। सम्प्रति व्यायाम हेतु विशेष व्यायाम यन्त्रों की भी व्यवस्था है।

1.5.5 प्राकृतिक वातावरण :

सुरम्य प्राकृतिक वातावरण में स्थित गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की प्राकृतिक चेतनाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए गुरुकुल परिसर में एक सुन्दर प्राकृतिक उद्यान की संरचना की गई है। इस उद्यान में अनेक प्रकार के पुष्प, सेव, अनार एवं जामुन इत्यादि फलों के वृक्ष तथा अनेक वनौषधियों के वृक्ष विद्यमान हैं।

1.6. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ : (आचार्यों हेतु)

गुरुकुल में अध्यापनरत आचार्यों हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

(आचार्यों हेतु निर्मित आवास का छायाचित्र)

1.7. सौर ऊर्जा :

1.7.1. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों का अध्ययन एवं आवश्यक कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली (Solar Power System) स्थापित की गई है। इस प्रकार गुरुकुल में निर्बाध विद्युत्—व्यवस्था उपलब्ध है।

1.7.2. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों तथा आचार्यों की स्नानादि नित्य दैनिक क्रियाएँ निर्बाधतया सम्पन्न हों, इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा चालित जल—उष्णक प्रणाली (Solar Water Heater System) स्थापित की गई है।

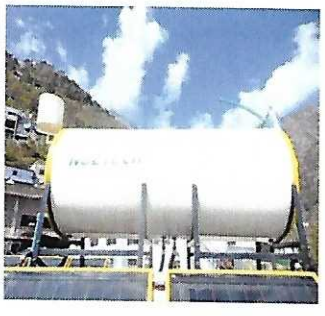

1.8. शुद्ध पेय जल की व्यवस्था :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों के स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए छात्रावास परिसर में अत्याधुनिक जल शोधक यन्त्रों (Water Purifier) को स्थापित किया गया है। इन जलशोधक यन्त्रों से छात्रों सहित गुरुकुल के आचार्य एवं अन्य कर्मचारी भी लाभान्वित हो रहे हैं।

1.9. प्रवेश प्रक्रिया :

गुरुकुल में प्रथमा–प्रथमवर्ष (कक्षा छठी) में ही प्रवेश लिया जाता है। वही छात्र अग्रिम कक्षाओं में प्रविष्ट होते हैं। छात्रों का प्रवेश वरीयतानुसार एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से होता है, जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा सम्मिलित है।

1.10. दैनिक दिनचर्या :

गुरुकुल में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र को गुरुकुल के शासी–परिषद् द्वारा निर्धारित निम्नलिखित सुव्यवस्थित दिनचर्या प्रणाली का निर्वहन करना अनिवार्य होता है–

ग्रीष्मकालीन(01 अप्रैल से 30 सितम्बर पर्यन्त)

(प्रखण्ड - प्रथम)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:45 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:45 बजे से 7:10 बजे तक	योगाभ्यास (सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन) अन्य दिनों में स्वाध्याय/गृहकार्य
6.	प्रातः 7:10 बजे से 7:45 बजे तक	अल्पाहार
7.	प्रातः 7:45 बजे से 8:30 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
8.	प्रातः 8:30 बजे से 8:40 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
10.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
11.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
12.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
13.	सायं 4:00 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
15.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
16.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
17.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
18.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
19.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
20.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

शीतकालीन(01 अक्तूबर से 31 मार्च पर्यन्त)

(प्रखण्ड - प्रथम)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 6:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 6:00 बजे से 6:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 6:10 बजे से 7:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 7:00 बजे से 7:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 7:30 बजे से 8:00 बजे तक	योगाभ्यास(सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन) अल्पाहार (मंगल,गुरु,शुक,शनि एवं रवि)
6.	प्रातः 8:00 बजे से 8:30 बजे तक	अल्पाहार (योगाभ्यास के दिन) स्वाध्याय/गृहकार्य(मंगल,गुरु, शुक, शनि एवं रवि)
7.	प्रातः 8:30 बजे से 8:45 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
8.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
9.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
10.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
11.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
12.	सायं 4:00 बजे से सायं 4:20 बजे तक	चाय, जलपान
13.	सायं 4:20 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
14.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:00 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
15.	सायं 6:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
16.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
17.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
18.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
19.	रात्रि 10:00 बजे	शयन

(प्रखण्ड- द्वितीय)

क्र.सं.	समय	कार्य
1.	प्रातः 5:00 बजे	जागरण
2.	प्रातः 5:00 बजे से 5:10 बजे तक	जागरणमन्त्र
3.	प्रातः 5:10 बजे से 6:00 बजे तक	स्नानादि नित्यक्रिया
4.	प्रातः 6:00 बजे से 6:30 बजे तक	सन्ध्या एवं आरती
5.	प्रातः 6:30 बजे से 7:00 बजे तक	योगाभ्यास (सोमवार,बुधवार एवं अवकाश के दिन)
6.	प्रातः 7:00 बजे से 7:30 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
7.	प्रातः 7:30 बजे से 8:00 बजे तक	अल्पाहार
8.	प्रातः 8:00 बजे से 8:40 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य गुरुकुल हेतु परिधान धारण
9.	प्रातः 8:40 बजे से 8:50 बजे तक	गुरुकुल हेतु परिधान धारण
10.	प्रातः 9:00 बजे से 9:10 बजे तक	प्रार्थना
11.	प्रातः 9:10 बजे से अपराह्ण 12:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन

12.	अपराह्ण 12:00 बजे से 01:10 बजे तक	भोजनावकाश
13.	अपराह्ण 1:10 बजे से सायं 4:00 बजे तक	कक्षा - अध्ययन
14.	सायं 4:20 बजे से सायं 4:45 बजे तक	चाय, जलपान
15.	सायं 4:45 बजे से सायं 5:45 बजे तक	खेल
16.	सायं 5:45 बजे से सायं 6:15 बजे तक	स्वाध्याय
17.	सायं 6:15 बजे से सायं 6:30 बजे तक	संध्या हेतु वस्त्र परिवर्तन
18.	सायं 6:30 बजे से सायं 7:00 बजे तक	सन्ध्या एवम् आरती
19.	सायं 7:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक	मनोरंजन एवं फोनवार्ता
20.	रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक	भोजन
21.	रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक	स्वाध्याय/गृहकार्य
22.	रात्रि 10:00 बजे	शयन
23.	अवकाश के दिन	सत्संग/प्रवचन/संगीत/कम्प्यूटर

1.11. साप्ताहिक अवकाश :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों का साप्ताहिक अवकाश रविवार की अपेक्षा भारतीय सांस्कृतिक परम्परानुसार प्रत्येक पक्ष की **प्रतिपदा एवं अष्टमी** तिथि को (गुरुकुल की शासी–परिषद् द्वारा निर्धारित) किया जाता है। साप्ताहिक अवकाश के दिन छात्र पुस्तकालय, क्रीडा एवं मनोरञ्जन आदि सुविधाओं का लाभ प्राप्त करते हैं।

1.12. छात्र–अभिभावक मिलन :

गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को अपने अभिभावकों से मिलने हेतु गुरुकुल की शासी–परिषद् के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की एक तिथि निर्धारित की जाती है। उसी दिन अभिभावक अपने बच्चों से कुछ देर के लिए मिलते हैं।

2. गुरुकुल शासी–परिषद् :

इस गुरुकुल को समुचित रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर करने हेतु एक शासीपरिषद् स्थापित है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं–

1) **श्री अशोक भान, (सेवानिवृत्त,भा०पु०सेवा)**
   सम्मानित सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड : अध्यक्ष
2) **मुख्य कार्यकारी अधिकारी,**
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड : सदस्य
3) **प्रो० युगलकिशोर मिश्र,** पूर्वकुलपति
   जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर : सदस्य
4) **प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री, पूर्वप्राचार्य,**
   राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू
   एवं निदेशक, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल : सदस्य
5) **अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,**
   श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड : सदस्य
6) **मुख्य लेखाधिकारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड : सदस्य
7) **प्रशासक,** श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल : सदस्य
8) **प्रधान पुजारी,** श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड : सदस्य

गुरुकुल शासी–परिषद् की अब तक **25** बैठकें हो चुकी हैं, जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

(शासी परिषद् की बैठक का दृश्य)

3. प्रगति—विवरण (सत्र— 1 जुलाई 2018 से 30 जून 2019 तक)

3.1. वार्षिक—दिवस समारोह :

3.1.1. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का सप्तम वार्षिक दिवस समारोह **30 अगस्त 2018** को श्री माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक केन्द्र, कटरा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर **श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति** के पूर्वकुलपति **प्रो० एस्० सुदर्शन शर्मा जी** मुख्य अतिथि रहे।

(दीप प्रज्वलित कर वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि तथा मञ्चासीन अतिथिगण)

3.1.2. इस समारोह में गुरुकुल—शासी परिषद् के सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के सम्मानित सदस्य श्री शिवकुमार शर्मा (सेवानिवृत्त,मेजर जनरल), स्थापन बोर्ड के अधिकारी तथा कर्मचारी, पुराना दरुड़ एवं कटडा क्षेत्र के गणमान्य, गुरुकुल के आचार्य, शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी तथा छात्रों के अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्रों ने भजन, गायन एवं नाटक इत्यादि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वार्षिक परीक्षाओं तथा अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

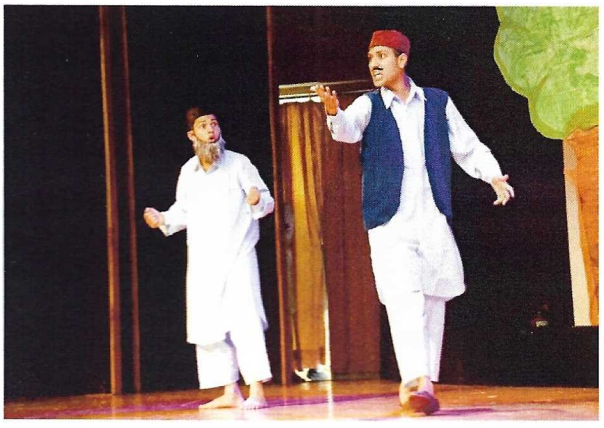

(वार्षिकोत्सव में संस्कृत नाट्यमंचन करते हुए छात्र)

गुरुकुल के वार्षिकोत्सव—2018 के उपलक्ष्य में मुख्यातिथि के रूप में समागत प्रो० एस्० सुदर्शन शर्मा जी का उद्बोधन—सार

श्री गुरुभ्यो नमः

वन्देऽहं वैष्णवीं देवीं तां मूर्त्तित्रयरूपिणीम्।
भक्ताभीष्टप्रदां भव्यां तावी—धावितपादुकाम्।।

सबसे पहले मैं माता वैष्णवी के चरणकमलों में साष्टाङ्ग प्रणाम निवेदित करता हूँ । मंच पर आसीन इस सभा के अध्यक्ष मेरे गुरुकल्प प्रो. श्री युगल किशोर मिश्र जी, मेजर जनरल श्री शिवकुमार शर्मा जी, गुरुकुल के निदेशक प्रो. श्री विश्वमूर्त्ति शास्त्री जी, and my young friends from the administrator Mr. Kumar & Mr. Ansul Garg ji, सामने उपस्थित श्री अरविन्द करवानी जी, देवेन्द्र जी और पंकज जी, प्रिय छात्र, अध्यापक और आहूत अधिकारी एवं श्राइन बोर्ड के सभी कर्मचारी! आप सभी को इस वार्षिकोत्सव के शुभावसर पर बधाई। अप सभी से मिलकर मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ। इस प्रसन्नता के मुख्य कारण श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड एवं प्रो. युगल किशोर मिश्र जी हैं, जिन्होने मुझे यहाँ उपस्थित होने का अवसर प्रदान किया। इनके प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ एवं यहाँ जो छात्र पुरस्कृत हुए हैं उनका अभिनन्दन करता हूँ। पूर्ववक्ता माननीय प्रो. श्री युगल किशोर मिश्र जी ने महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाया कि हमें संस्कृत का अध्ययन क्यों करना चाहिए ? इस पर मैं कुछ प्रकाश डालना चाहता हूँ ।

आज से 400-450 साल पूर्व कुछ विदेशी लोगों ने भारतवर्ष पर आक्रमण कर यहाँ की सम्पत्ति को लूटा और धीरे धीरे यहाँ राज्याधिकार भी प्राप्त कर लिया। परन्तु वे यहाँ के लोगों के मन पर

अधिकार न कर सके। तब आक्रमणकारियों ने ये पाया कि भारतीयों के पास एक विशिष्ट विद्या पद्धति है जो इनके मानसिक बल का कारण है, इसे छिन्न भिन्न करना आवश्यक है। अत: विद्या व्यवस्था में परिवर्तन लाने के लिए 1854 में बंगाल में कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इसके बाद मुम्बई, चेन्नई तथा अनेक स्थानों पर विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई। इन विश्वविद्यालयों की अध्यापनशैली एक ऐसे उद्योग के समान है जिसका काम लिपिक पैदा करना था, जो अंग्रेजों के आधिकारिक कार्यों को करा सके। एक नौकरशाही प्रशासन के लिए जो शिक्षा जरूरी थी वह शिक्षा वहाँ दी जाती थी। इस तरह हमारी प्राचीन विद्या व्यवस्था नष्ट हो गई। पिछले कुछ वर्षों में कुछ विद्वानों और संस्थाओं द्वारा पुन: इस विद्या—व्यवस्था को जीवित करने का प्रयास किया गया है। जिसमें श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा स्थापित यह गुरुकुल एक छोटा सा कदम है। वर्तमान में आधुनिक शिक्षा पद्धति में जो Residential education system है वही आवासीय शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल है। केवल नाम परिवर्तन हुआ है ।

संस्कृत किसलिए पढ़ना चाहिए ? इस पर मैं कुछ प्रकाश डालना चाहता हूँ। संस्कृत भाषा के व्याकरण की तरह विश्व में और कोई व्याकरण नहीं है। पाणिनि व्याकरण की शैली का अध्ययन कर आज कम्प्यूटर विज्ञान को विकसित करने का प्रयास हो रहा है। जिस व्याकरण के महत्त्व को पूरी दुनिया मान रही है उसे हमें पढना बहुत ही आवश्यक है, क्योंकि यह हमारा है ।

संस्कृत भाषा शब्दकोष की दृष्टि से विश्व की सबसे समृद्ध भाषा है, प्रत्येक शब्द के पीछे व्युत्पत्ति युक्त वैज्ञानिक कारण है। यथा अंग्रेजी भाषा में नर को Man कहते हैं तो उसके पास इसका कोई कारण नहीं है कि क्यों नर को Man कहते हैं? परन्तु संस्कृत में नर शब्द का अर्थ है **'नृणाति नयति सर्वं स्ववशम् इति नर:'** ऐसे संस्कृत के प्रत्येक शब्दों में सुव्यवस्थित अर्थ छिपे हैं। जो वैज्ञानिक होना चाहते हैं, अभियन्ता होना चाहते हैं, उन्हें संस्कृत अवश्य पढ़ना चाहिए। संस्कृत केवल देश विदेश की भाषा नहीं अपितु विश्वभाषा है। संस्कृत के ग्रन्थ तेलुगु लिपि, मलयालम लिपि, कन्नड़ लिपि, तिब्बती लिपि, थाइलैण्ड की थाई लिपि, इत्यादि में उपलब्ध होते हं । पूरे विश्व में संस्कृत के ग्रन्थ उपलब्ध होते हैं । ?

दक्षिण अफ्रिका की राजधानी का नाम सैलिसबरी है जो सभी तरफ से पर्वतों से घिरा है और मध्य में एक बड़ा पर्वत है। यह नाम संस्कृत भाषा से बना है 'शैलेशपुरी'। **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की भावना मानवों में भरने के लिए संस्कृत पढ़ना चाहिए ।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल का ध्येयवाक्य है **'विद्ययाऽमृतमश्नुते'** इसका अर्थ है — विद्या से अमृतत्त्व की प्राप्ति होती है। धर्म, अर्थ और काम से मोक्ष की प्राप्ति करना ही अमृतत्त्व है । यह केवल संस्कृत के अध्ययन से, वेद के अध्ययन से सम्भव है ।

प्रश्न होता है कि वेद का अध्ययन क्यों किया जाए? वेद का अध्ययन धन, पद, अधिकार के लिए नहीं अपितु गूढ ज्ञान के लिए करना चाहिए। वेदों में सृष्टि निर्माण का ज्ञान है। वेदों में वैज्ञाकनिकता है जिसे हमें प्राप्त कर विश्व के सामने लाना है। वेद का ज्ञान केवल कण्ठस्थ कर लेने से पूर्ण नहीं होता, अपितु इसका अर्थ भी जानना आवश्यक है। तैत्तिरीयोपनिषद् में कथा है कि दो मित्र नृमेध तथा परिच्छेद वेदाध्ययन करके पण्डित हो गए। दोनों में से कौन श्रेष्ठ है? इस विवाद पर निर्णायकों ने एक हरा वृक्ष रख दिया और कहा कि जो इसमें से अग्नि प्रज्वलित कर देगा वही वेद विद्या का पण्डित होगा । नृमेध ने अग्निसूक्त का पाठ किया परन्तु उस वृक्ष से केवल धूआं निकलता रहा । फिर पुन: दूसरा वृक्ष परिच्छेद के सामने रखा गया, उसने भी अग्निसूक्त का पाठ किया और उस वृक्ष से ज्वाला निकल पड़ी। तब पराजित हुए नृमेध ने परिच्छेद से पूछा — जिस अग्निसूक्त के पाठ से मैं अग्नि प्रकट करने में असफल रहा, उसी से तुमने कैसे अग्नि प्रकट कर दी? तो परिच्छेद ने कहा के उस मंत्र का अर्थ मैं जानता हूँ तुम नहीं।

अत: वेदाध्ययन के लिए अर्थ सहित ज्ञान आवश्यक है, जिसके लिए श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल प्रतिबद्ध है। मैंने कल गुरुकुल का अवलोकन किया । यहाँ प्रथमा से लेकर शास्त्री कक्षा पर्यन्त अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है । मेरा श्राइन बोर्ड से अनुरोध है कि आगे स्नातकोत्तर कक्षा की सुविधा भी यहाँ उपलब्ध कराये, जिससे छात्रों को शास्त्री कक्षा के बाद स्नातकोत्तर कक्षा में अध्ययन के लिए बाहर न जाना पड़े और केवल उपाधि देकर छात्रों को छोड़ना नहीं है, उपाधि देने के पश्चात् उनकी नियुक्ति हेतु प्लेसमेण्ट सेल की भी शुरुआत करनी चाहिए । मेरा यह पूर्ण विश्वास है कि माता वैष्णो देवी की कृपा से यह विश्वविद्यालय स्तर तक पहुँच सकता है।

मैं माता वैष्णो देवी को प्रणाम करके अपनी वाणी को विराम देता हूँ । धन्यवाद ।।

3.2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

जम्मू व कश्मीर राज्य के वैदिक कर्मकाण्ड कार्य में संलग्न पण्डितों हेतु **''पौरोहित्य कर्म, ज्योतिषशास्त्रीय एवं छन्द''** विषय पर दिनांक **29 जुलाई 2018** से **03 अगस्त 2018** तक उन्चालीस(**39**)वॉ षडदिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ।

पुन: दिनांक **20 सितम्बर 2018** से **25 सितम्बर 2018** तक **''नवग्रहशान्तिविधि, पञ्चांगपरिचय एवं छन्द''** विषय पर चालीस(**40**)वॉ षडदिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त पाठ्यक्रम में गुरुकुल के आचार्यों ने प्रतिभागियों को अध्यापन कराया।

3.3. सरस्वती परिषद् :

गुरुकुल के सम्माननीय निदेशक प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी के निर्देशानुसार गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की प्रतिभा को प्रखर करने के उद्देश्य से दिनांक **25 सितम्बर 2018** एवं **24 अक्तूबर 2018** को सरस्वती परिषद् का आयोजन किया गया। उक्त परिषद् में गुरुकुल के छात्रों ने अपनी–अपनी प्रतिभा को उपस्थापित किया।

3.4. विशिष्ट व्याख्यान :

दिनांक **01 अक्तूबर 2018** को गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को वैदिक एवं दार्शनिक चिन्तन से अभिभूत करने के उद्देश्य से खनन मंत्रालय, भारत सरकार के तत्कालीन संयुक्त सचिव **श्री विपुल पाठक(आई.ए.एस्.)** जी का विशिष्ट व्याख्यान हुआ। उक्त कार्यक्रम में गुरुकुल के प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी (के०ए०एस्) तथा गुरुकुल के सभी आचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

3.5. शारदीय चण्डीयज्ञ :

प्रति षड्मास की भाँति शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में इस वर्ष भी दिनांक **10 अक्तूबर 2018** से **18 अक्तूबर 2018** तक गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के उपप्राचार्य के आचार्यत्व में गुरुकुल प्रखण्ड–प्रथम एवं द्वितीय में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया गया। इस शारदीय नवरात्रों में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञ–सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

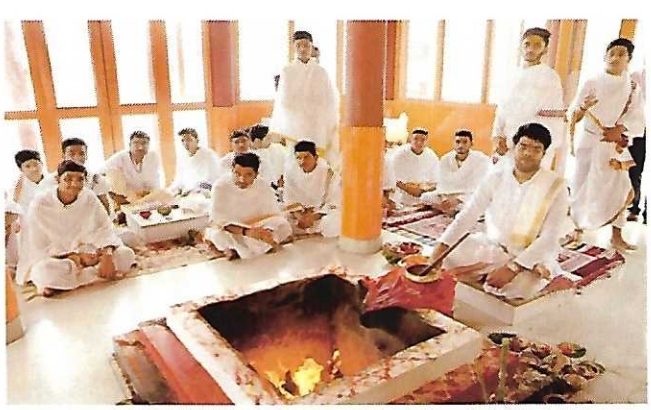

3.6. भवनयात्रा :

अध्यात्मिकज्ञान की वृद्धि हेतु दिनांक **13, 14,** एवं **15 अक्तूबर 2018** को क्रमानुसार तीन वर्ग में गुरुकुल छात्रों को आचार्यों के साथ श्री माता वैष्णो देवी भवन दर्शनार्थ प्रेषित किया गया।

3.7. गुरुकुल के छात्रों की विशेषोपलब्धियाँ :

3.7.1. दिनांक **02 नवम्बर 2018** को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित **36वें दीक्षान्त समारोह** के अन्तर्गत प्रथमा की वार्षिक परीक्षा–2018 में विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च अंक एवं प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता गुरुकुल के छात्र **माधव शर्मा** को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तरप्रदेश के सम्माननीय राज्यपाल **श्री राम नाईक** जी द्वारा प्रमाणपत्र सहित **वक्रतुण्ड–स्वर्णपदक** से विभूषित किया गया।

3.7.2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष समायोजित की जाने वाली अखिल भारतीय विविध शास्त्र प्रतियोगिताओं में भागग्रहणार्थ राज्यस्तरीय चयन हेतु दिनांक **16** नवम्बर **2018** को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जम्मू परिसर में राज्यस्तरीय शास्त्रस्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुकुल से कुल **15** छात्रों ने अक्षरश्लोकी, अमरकोष–कण्ठपाठ, काव्य–कण्ठपाठ, अष्टाध्यायी–कण्ठपाठ, श्रीमद्भगवद्गीता–कण्ठपाठ, पुराणेतिहास शलाका, शास्त्रीय–स्फूर्तिस्पर्धा, धातुपाठ, ज्योतिष भाषण एवं वेदान्त भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में गुरुकुल के **12** छात्रों ने जम्मू व कश्मीर प्रान्त में **सर्वप्रथम** स्थान प्राप्त कर दिनांक **06** जनवरी **2019** से **09** जनवरी **2019** तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रस्पर्धा में राज्य का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया।

3.7.3. उक्त प्रतियोगिताओं में काव्यकण्ठपाठ में उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के मेधावी छात्र **गोतम शर्मा** ने **स्वर्णपदक**, पुराणेतिहास शलाका में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र **अंकित शर्मा** ने **कांस्यपदक**, श्रीमद्भगवद्गीता कण्ठपाठ में उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के छात्र उदित नारायण जस्याल तथा अमरकोष कण्ठपाठ में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्र शुभम शर्मा ने विशिष्ट पुरस्कार एवं अष्टाध्यायी कण्ठपाठ में प्रथमश्रेणी प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर गुरुकुल के गौरव को बढाया।

3.8. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के संस्थागत पुजारियों हेतु **दिनांक 18 नवम्बर 2018 से 23 नवम्बर 2018** तक **''वैदिक मन्त्रोच्चारण, अग्निस्थापनविधि, मुहूर्तज्ञान एवं षोडशोपचारविधि''** विषय पर षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त पाठ्यक्रम में 10 संस्थागत पुजारियों ने भाग लिया।

3.9. आचार्य–अभिभावक समागम :

दिनांक 29 नवम्बर 2018 को गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की अध्ययनादि कार्यों में गतिशीलता को सुदृढ करने के उद्देश्य से गुरुकुल के सम्माननीय प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी एवं निदेशक प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी की उपस्थिति में आचार्य–अभिभावक समागम सम्पन्न हुआ। उक्त सम्मेलन में गुरुकुल के सभी आचार्य, शिक्षिका एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

3.10. अर्द्धवार्षिकपरीक्षा :

गुरुकुल में प्रथमा प्रथमवर्ष से शास्त्री द्वितीया प्रथमवर्ष पर्यन्त कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से अद्धवार्षिक परीक्षा **दिनांक 05 दिसम्बर 2018** से **18 दिसम्बर 2018** तक सम्पन्न हुई।

3.11. राष्ट्रकथा–शिविर में छात्र–प्रतिभागिता:

गुरुकुल में अध्ययनरत कक्षा पूर्वमध्यमा द्वितीय, उत्तरमध्यमा प्रथम एवं उत्तरमध्यमा द्वितीय के 55 छात्रों को राष्ट्रिय भावना से ओतप्रोत करने के उद्देश्य से गुजरात राज्य के राजकोट में स्थित प्रांशला नामक स्थान में दिनांक 23 दिसम्बर 2018 से 30 दिसम्बर 2018 तक आयोजित **राष्ट्रिय कथाशिविर** में भाग ग्रहण कराया गया।

3.12. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के संस्थागत पुजारियों हेतु **दिनांक 14 फरवरी 2019 से 19 फरवरी 2019** तक **''वैदिक पूजनविधि, ज्योतिष–सामान्यज्ञान एवं छन्दज्ञान''** विषय पर षड्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन हुआ। उक्त पाठ्यक्रम में 9 संस्थागत पुजारियों ने भाग लिया।

3.13. वाग्देवी–मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा :

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल द्वितीय प्रखण्ड में दिनांक **07 मार्च 2019 से 09 मार्च 2019** तक नवनिर्मित वाग्देवी मन्दिर में भगवती सरस्वती के विग्रहस्वरूप मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा गुरुकुल के सम्माननीय निदेशक प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम के समापन में श्राईन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी श्री विवेक वर्मा जी, गुरुकुल के प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी एवं समस्त गुरुकुल परिवार भी उपस्थित रहा।

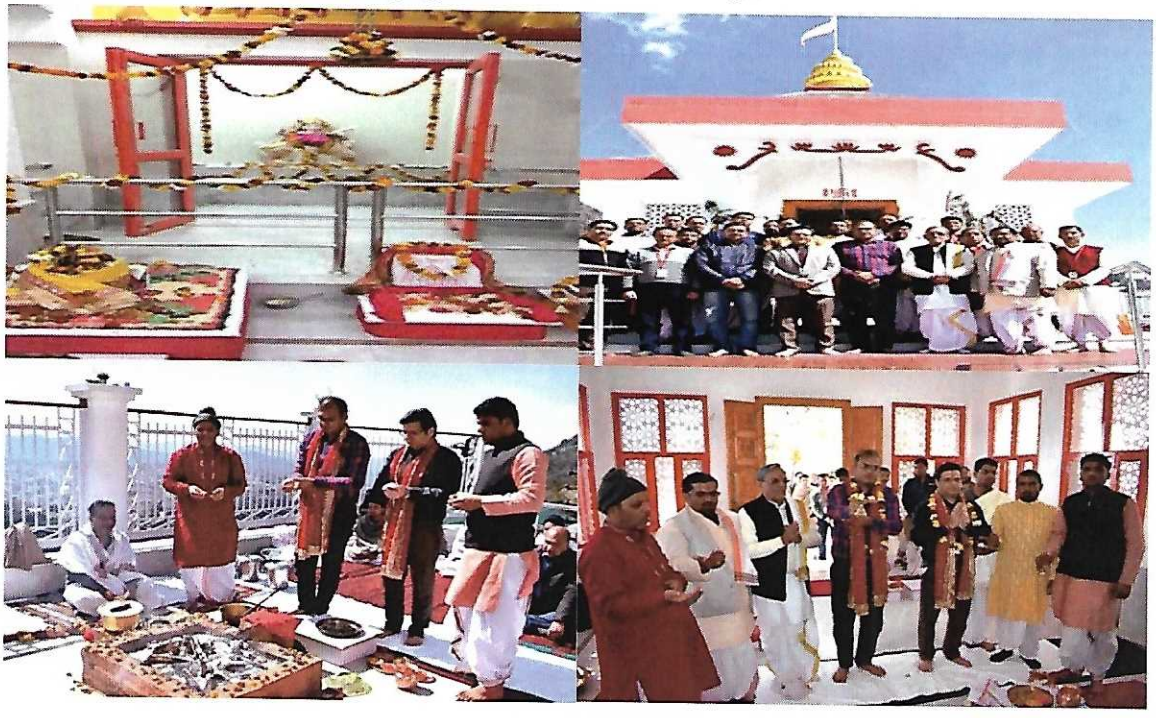

3.14. नूतनछात्र प्रवेशप्रक्रिया :

वर्तमान सत्र 2019-2020 में प्रवेश के लिए **दिनांक 10 मार्च 2019** को लिखित आयोजित की गई। उक्त लिखित परीक्षा में **197** छात्र सम्मिलित हुए। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर मेधासूची के अनुसार **दिनांक 16 मार्च 2019** को **मौखिक परीक्षा** में **50 छात्र** सम्मिलित हुए। उक्त प्रवेश प्रक्रिया द्वारा **20 छात्रों** का चयन किया गया तथा **10 छात्रों** को प्रतीक्षासूची में रखा गया।

(लिखित एवं मौखिक परीक्षा में भाग लेते छात्र)

3.15.प्रशासक–अभिभावक सम्मेलन :

वर्तमान सत्र 2019-2020 में प्रवेश के लिए चयनित **20** छात्रों एवं प्रतीक्षासूची के **10** छात्रों को गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाओं एवं नियमों को उपस्थापित हेतु **दिनांक 22 मार्च 2019** को प्रशासक–अभिभावक सम्मेलन का आयोजन हुआ।

3.16. नवचयनित छात्रों का गुरुकुल अवलोकन :

वर्तमान सत्र 2019-2020 में प्रवेश के लिए चयनित **20** छात्रों को गुरुकुल में प्राप्त व्यवस्थाओं को अवगत कराने की दृष्टि से **दिनांक 26 मार्च 2019** को श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल में बुलाया गया तथा सभी छात्रों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया।

3.17. वार्षिक परीक्षा :

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल में **दिनांक 28 मार्च 2019** से **08 अप्रैल 2019** तक कक्षा प्रथमा तृतीयवर्ष से शास्त्री द्वितीयवर्ष पर्यन्त अध्ययनरत छात्रों की **2019** वर्षीय, वार्षिक परीक्षा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से आयोजित की गई। उक्त परीक्षा में 123 छात्र सम्मिलित हुए। उक्त परीक्षा में बाह्य निरीक्षक एवं केन्द्राध्यक्ष के रूप श्री ओंकार सिंह जी, डी.डी.एम, श्राईन बोर्ड उपस्थित रहे।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल द्वारा आयोजित प्रथमा प्रथम एवं प्रथमा द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षाएँ **दिनांक 17 अप्रैल 2019** से **30 अप्रैल 2019** तक सम्पन्न हुई।

4. विदाई समारोह :

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल में दिनांक 29-03-2019 को उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में गुरुकुल के प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी एवं श्री ओंकार सिंह(डीडीएम्) सम्मिलित हुए तथा गुरुकुल के सभी आचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष के छात्रों ने अपने–अपने अनुभवों को साझा किया। तत्पश्चात् श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के प्रशासक, प्राचार्य, उपप्राचार्य एवं आचार्यों तथा शिक्षकों ने भी प्रेरणादायी आशीर्वचनों से छात्रों को अभिसिञ्चित किया।

5. वासन्तिक चण्डीयज्ञ :

प्रति षड्मास की भाँति शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में दिनांक **06 अप्रैल 2019** से **13 अप्रैल 2019** तक गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के आचार्यों के आचार्यत्व में गुरुकुल प्रखण्ड–प्रथम एवं द्वितीय में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया गया। इस शारदीय नवरात्रों में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञसम्पादन क्षमता को विकसित किया।

6. नवीन सत्रारम्भ :

गुरुकुल के प्रथमा तृतीयवर्ष से शास्त्री द्वितीयवर्ष पर्यन्त कक्षाओं का **2019–2020** वर्षीय शैक्षिक सत्रारम्भ दिनांक **15 अप्रैल 2019** को तथा प्रथमा प्रथमवर्ष एवं प्रथमा द्वितीयवर्ष के कक्षाओं का सत्रारम्भ दिनांक **01 मई 2019** को हुआ।

7. शैक्षिक भ्रमण :

गुरुकुल में अध्ययनरत उत्तरमध्यमा प्रथम वर्ष के **25** छात्रों को बाहरी राज्यों के प्रसिद्ध स्थलों से अवगत कराने के उद्देश्य से **दिनांक 08 मई 2019** से **12 मई 2019** तक गुरुकुल के आचार्य श्री सुशान्त शर्मा जी एवं श्री योगेश शर्मा जी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश राज्य के प्रसिद्ध तीर्थस्थल मथुरा एवं वृन्दावन का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

8. मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी का आगमन :

श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के मुख्यकार्यकारी अधिकारी **श्री सिमरनदीप सिंह, आई०ए०एस्** जी का गुरुकुल में आधिकारिक प्रथम आगमन दिनांक **16 मई 2019** को हुआ। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी का स्वागत गुरुकुल के प्राचार्य, उपप्राचार्य, आचार्यगण तथा छात्रों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं तिलक लगाकर किया गया।

मुख्यकार्यकारी अधिकारी जी ने अपने उद्बोधन में सभी छात्रों को नैतिक शिक्षा एवं अनुशासन पालन की शिक्षा तथा अपने छात्रजीवन के अनुभवों को उपस्थापित किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी ने कहा कि श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल को संस्कृत भाषा के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यकार्यकारी अधिकारी महोदय ने गुरुकुल में छात्रों तथा आचार्यों हेतु प्रकल्पित सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया एवं व्यवस्थाओं के उन्नयन हेतु निर्देश दिए। इस प्रकल्प में श्राईन बोर्ड के उपमुख्यकार्यकारी अधिकारी एवं गुरुकुल के प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी भी उपस्थित रहे।

9. उपनयन—संस्कार :

प्रत्येक वर्ष की भाँति गुरुकुल में नव प्रवेशित छात्रों का **उपनयन—संस्कार** ज्येष्ठ कृष्ण पञ्चमी **दिनांक 23 मई 2019** को गुरुकुल के आचार्यों के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस उपनयन संस्कार कार्यक्रम में गुरुकुल के प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी, श्राईन बोर्ड के उप मुख्यकार्यकारी अधिकारी श्री दीपक दूबे जी, विशेष कार्याधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह एवं सुरक्षाधिकारी श्री अजित डोगराजी उपस्थित रहे।

10. वनभोज कार्यक्रम :

गुरुकुल में अध्ययनरत सम्पूर्ण छात्रों को प्राकृतिक पर्यावरण के ज्ञान तथा बाहरी वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक वनभोज कार्यक्रम हेतु **दिनांक 27 मई 2019** को प्राकृतिक वातावरण से युक्त प्रसिद्ध स्थल पटनीटाप ले जाया गया।

11. विज्ञान—गोष्ठी :

गुरुकुल में अध्ययनरत समस्त छात्रों को विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का ज्ञान हेतु **दिनांक** 03 जून 2019 को प्रो० आर० एन० गोहिल, एन.ए.एस.आई., इलाहाबाद के निर्देशन तथा श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के प्रो० सुनील कुमार वाञ्चु एवं अन्य विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्रों को विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों से अवगत कराया।

उक्त कार्यक्रम में गुरुकुल के प्रशासक, प्राचार्य, उपप्राचार्य एवं अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

12. आचार्य–अभिभावक समागम :

दिनांक 03 जून 2019 को गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों की अध्ययनादि कार्यों में गतिशीलता को सुदृढ करने के उद्देश्य से गुरुकुल के सम्माननीय प्रशासक डॉ० अरविन्द करवानी जी एवं निदेशक प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी की उपस्थिति में आचार्य–अभिभावक समागम सम्पन्न हुआ। उक्त सम्मेलन में गुरुकुल के सभी आचार्य, शिक्षिका एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

13. विशिष्ट अतिथियों का आगमन :

गुरुकुल स्थापना के अनन्तर अनेक विशिष्ट विद्वानों तथा अतिथियों का समय–समय पर आगमन होता रहा है तथा इस 2018-2019 सत्र में गुरुकुल शासी परिषद् के माननीय सदस्य एवं श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के पदाधिकारी गणों के अतिरिक्त समागत निम्नलिखित विशिष्टजन उल्लेखनीय हैं–

1) प्रो० राजनाथ, परीक्षा नियन्त्रक, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
2) डॉ० एस० एस० बलोरिया, अध्यक्षचर, श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटरा।
3) प्रो० पीयूषकान्त दीक्षित, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
4) प्रो० एस्० सुदर्शन शर्मा, पूर्वकुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति।
5) प्रो० युगलकिशोर मिश्र, पूर्वकुलपति, ज०रा०राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
6) श्री विपुल पाठक (आई०ए०एस्), संयुक्त सचिव, खनन मन्त्रालय, भारत सरकार।
7) प्रो० वासुदेव शर्मा, प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू।
8) प्रो० प्रभातकुमार महापात्र, विभागाध्यक्ष ज्योतिष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू।
9) प्रो० भगवत्शरण शुक्ल, व्याकरण विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
10) प्रो० रामराज उपाध्याय, विभागाध्यक्ष कर्मकाण्ड, श्रीलाल ब०शा०रा०सं०विद्यापाठ, नई दिल्ली।
11) डॉ० अरुण कुमार मिश्र, सहायकाचार्य, वेदविभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
12) प्रो० मनोज कुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष वेद, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू।
13) प्रो० आर० एन० गोहिल, एन.ए.एस.आई., इलाहाबाद
14) प्रो० सुनील कुमार वाञ्चु, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा।

14. वार्षिक परीक्षाफल–विवरण :

- **सत्र 2018–2019 का वार्षिक–परीक्षाफल निम्नवत् रहा–**

क्र. सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
1.	प्रथमा प्रथमवर्ष (समकक्ष छठवीं)	20	17	2	1	0	100%
2.	प्रथमा द्वितीयवर्ष (समकक्ष सातवीं)	19	17	2	0	0	100%
3.	प्रथमा तृतीयवर्ष (समकक्ष आठवीं)	24	24	0	0	0	100%
4.	पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष (समकक्ष नवमी)	26	26	0	0	0	100%
5.	पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष (समकक्ष दशमी)	15	15	0	0	0	100%
6.	उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष (समकक्ष ग्यारहवीं)	25	25	0	0	0	100%
7.	उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष (समकक्ष बारहवीं)	15	15	0	0	0	100%
8.	शास्त्री प्रथमवर्ष (समकक्ष बी.ए. प्रथम)	8	8	0	0	0	100%
9.	शास्त्री द्वितीयवर्ष (समकक्ष बी.ए. द्वितीय)	10	10	0	0	0	100%

15. भविष्य की भावी योजना

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, अपने स्थापना वर्ष से अद्यावधि निरन्तर नूतन उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहा है। भविष्य में भी इस गुरुकुल को विश्वपटल पर स्थापित करने के लिए अनेक प्रकल्पों का सृजन किया गया है —

- ज्योतिष विषयक खगोलीय ज्ञान हेतु वेधशाला का निर्माण करना।
- अखिल भारतीय स्पर्धाओं में अधिक से अधिक छात्रों की सहभागिता सुनश्चित करना।
- गुरुकुल के प्रत्येक छात्र को संस्कृत एवं अंग्रेजी सम्भाषण में दक्ष बनाना।
- गुरुकुल के प्रत्येक छात्र को वेद, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र एवं कर्मकाण्ड आदि के प्रयोग में कुशल बनाना।
- गुरुकुल के शास्त्रीस्तरीय छात्रों को संस्कृत शिक्षण/अध्यापन में निपुण बनाना।
- गुरुकुल के शास्त्रीस्तरीय छात्रों के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा, यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ., बी.एड्. प्रवेश परीक्षा आदि हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

।। जय माता दी।।

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटरा

विद्ययाऽमृतमश्नुते

विद्ययाऽमृतमश्नुते

अवकाश—सूची—2019-2020

अप्रैल—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
1	2	3	4	5	प्र	7
8	9	10	11	12	अ	14
15	16	17	18	19	प्र	21
22	23	24	25	26	अ	28
29	30					

मई—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
		1	2	3	4	प्र
6	7	8	9	10	11	अ
13	14	15	16	17	18	प्र
20	21	22	23	24	25	26
अ	28	29	30	31		

जून—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
					1	2
3	प्र	5	6	7	8	9
अ	11	12	13	14	15	16
17	प्र	19	20	21	22	23
24	अ	26	27	28	29	30

जुलाई—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
1	2	प्र	4	5	6	7
8	अ	10	11	12	13	14
15	16	प्र	18	19	20	21
22	23	24	अ	26	27	28
29	30	31				

अगस्त—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
			प्र	2	3	4
5	6	7	अ	9	10	11
12	13	14	15	प्र	17	18
19	20	21	22	23	अ	25
26	27	28	29	30	प्र	

सितम्बर—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30						1
2	3	4	5	अ	7	8
9	10	11	12	13	14	प्र
16	17	18	19	20	21	अ
23	24	25	26	27	28	प्र

अक्तूबर—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
	1	2	3	4	5	अ
7	8	9	10	11	12	13
प्र	15	16	17	18	19	20
अ	22	23	24	25	26	27
प्र	29	30	31			

नवम्बर—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
				1	2	3
अ	5	6	7	8	9	10
11	12	प्र	14	15	16	17
18	19	अ	21	22	23	24
25	26	प्र	28	29	30	

दिसम्बर—2019

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30	31					1
2	3	अ	5	6	7	8
9	10	11	12	प्र	14	15
16	17	18	अ	20	21	22
23	24	25	26	प्र	28	29

जनवरी—2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
		1	2	अ	4	5
6	7	8	9	10	प्र	12
13	14	15	अ	17	18	19
20	21	22	23	24	प्र	26
27	28	29	30	31		

फरवरी—2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
					1	अ
3	4	5	6	7	8	9
प्र	11	12	13	14	15	अ
17	18	19	20	21	22	23
प्र	25	26	27	28	29	

मार्च—2020

सो	मं	बु	गु	शु	श	र
30	31					1
2	अ	4	5	6	7	8
9	प्र	11	12	13	14	15
अ	17	18	19	20	21	22
23	24	प्र	26	27	28	29

अन्य अवकाश :

1	रामनवमी : 14 अप्रैल 2019 रविवार	7	दीपावली : 26.10.2019 से 02.11.2019तक (08 दिन)
2	ग्रीष्मावकाश : 05.06.19 से 11.07.19 तक (37दिन)	8	शीतावकाश : 01.01.2020 से 15.01.2020 तक(15दिन)
3	स्वतन्त्रता दिवस : 15 अगस्त 2019 गुरुवार	9	गणतन्त्र दिवस : 26 जनवरी 2020 रविवार
4	रक्षाबन्धन : 15 अगस्त 2019 गुरुवार	10	वसन्त पंचमी : 30 जनवरी 2020 गुरुवार
5	महानवमी : 07 अक्तूबर 2019 सोमवार	11	महाशिवरात्रि : 21 फरवरी 2020 शुक्रवार
6	विजयादशमी : 08 अक्तूबर 2019 मंगलवार	12	होली : 09 मार्च 2020 सोमवार

Players in action during Basketball final at Shrine Board Sports Stadium in Katra on Tuesday.

Trikuta wins Basketball final in Gurukul Sports

Governing Council reviews functioning of SMVD Gurukul

Emphasises on skill upgradation of students by imparting practical training in Vedic Mantras, Karam Kand, Jyotish to enhance employability

विद्यार्थियों को दी जाएगी वैदिक मंत्र, कर्मकांड, वास्तु शास्त्र और ज्योतिष की शिक्षा

सरस्वती क्लब ने जीती वॉलीबॉल चैंपियनशिप

एसएमवीडीयू के टॉपरों को किया सम्मानित

गुरुकुल को शिक्षा के क्षेत्र में बनाएंगे उत्कृष्ट

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के विद्यार्थी माधव शर्मा सम्मानित

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल ने मनाया वार्षिक दिवस

CEO Shrine Board interacts with students at SMVD Gurukul

Dr Ashok Bhan chairing Governing Council meeting of SMVD Gurukul on Saturday.

Participating teams posing with Deputy CEO of SMVDSB at Katra in Reasi on Monday.

SMVDSB Gurukul Sports meet gets underway

Excelsior Sports Correspondent

KATRA, Apr 29: Annual sports meet of Gurukul Charan Paduka got underway at Shrine Board's Sports Complex, here.

The inaugural day witnessed Volleyball competition wherein Niharika defeated Trikuta in straight sets in the opener.

The second match won by Saraswati beating Vaishnavi 2-0 while Niharika outplayed Kalika 2-0 in another game played today. As per the reports reaching here, the final has been scheduled for tomorrow.

The competition in other two events of Table Tennis and Basketball will also start tomorrow at the same venue.

Earlier, the event was declared open by Administrator Gurukul, Deputy Chief Executive Officer (CEO) of Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board (SMVDSB), Dr Arvind Karwani.

Meanwhile, Director Sports, SMVDSB, Ashok Kumar informed that the second phase of the sports meet of Gurukul will be held in the month of September in the disciplines of Yoga, Kabaddi and Athletics.

Among others present in the opening function were Principal Gurukul, Rajesh Sharma, Assistant Manager, Rajinder Magotra and Pritam Dass.

CEO visits SMVD Gurukul, interacts with students

Excelsior Correspondent

KATRA, May 17: Simrandeep Singh, Chief Executive Officer, Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, visited Shri Mata Vaishno Devi

CEO, SMVDSB, Simrandeep Singh addressing students at SMVD Gurukul.

(SMVD) Gurukul, Charan Paduka, Katra and interacted with the faculty, staff and the students.

The CEO interacted with the students of the Gurukul. He also had an interaction with the students of 6th class who have been recently admitted in this institution for the session 2019-20. Congratulating the students for their laudable achievements, he asked them to work hard and optimally benefit from the facilities made available by the Board for imparting top quality education at the Gurukul.

Simrandeep Singh also inspected the classrooms, hostel and other facilities during the visit and issued on spot instructions for bringing further improvements in the facilities, wherever required. He said that the Gurukul is being developed as centre of excellence to impart top quality education in Sanskrit language besides all other modern subjects.

It is pertinent to mention that the students studying from class 6th to Shastri Class Part-II in this fully residential institution, which was established by the Shrine Board in 2010, are being provided education, boarding, lodging, books, uniforms etc. by the Shrine Board totally free of cost. The Board has also made elaborate arrangements for indoor and outdoor games at the Gurukul, besides organising debating competitions and other extra-curricular activities for overall personality development of the students.

Dr Arvind Karwani (Deputy CEO, SMVDSB and Administrator of the Gurukul), Dr Dhananjay Mishra (Principal), besides other concerned officers of the Board and engineers were present during the visit of the CEO.

Governor felicitates toppers of SMVD Gurukul

Excelsior Correspondent

JAMMU, Mar 5: Governor N. N. Vohra, Chairman of the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, felicitated 9 outstanding students of the Shri Mata Vaishno Devi Gurukul, Charan Paduka, Katra, for their excellent performances in academics, in a function held at the Raj Bhavan here today.

Governor N N Vohra felicitating a topper of SMVD Gurukul on Monday.

Presently 151 students are studying in classes 6th to Shastri Part-I in the fully residential Gurukul, established by the Shrine Board in 2010, which is affiliated with the Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, a leading Sanskrit University in the country. All the students are provided education, boarding, lodging, uniforms, books and other required facilities at the cost of the Board.

Congratulating the students for the laurels won by them, Governor complimented Dr S. S. Bloeria, former Chairman, Governing Council of Shri Mata Vaishno Devi Gurukul, B. B. Vyas, Chairman, Governing Council of the Gurukul, Prof. Vihwamurty Shastri, Director, Shri Mata Vaishno Devi Gurukul, and Member, Governing Council of the Gurukul, for successfully guiding the Gurukul's functioning and for the excellent standards achieved by it. Governor expressed appreciation of the work put in by the Acharyas and teachers for imparting education of very high standard to the students.

Governor suggested introduction of scholarships for enabling the Acharya pass outs to pursue post graduation and, later, doctoral studies in the best Sanskrit institutions of the country. He advised that a comprehensive scholarship which would cover the cost of tuition fee, board, lodging and transportation expenses may be evolved and recommended by the Governing Council of the Gurukul.

Governor presented Appreciation Letters, a set of the Commemorative Coins of Shrine Board and cash prizes to Gotam Sharma; Shubham Sharma; Anish Sharma; Mohit Sharma; Ankit Sharma; Prikshit Sharma; Nand Lal; Raghav Kamotra and Gotam Sharma.

Earlier, in his introductory remarks, Prof. Vihwamurty Shastri, Director of the Gurukul, gave a resume of the aims, objectives, history and growth of the Gurukul and highlighted the achievements of the institution in varied fields, since its establishment.

Umang Narula, Principal Secretary to the Governor and Chief Executive Officer of the Shrine Board, Dr. M. K. Kumar, Additional CEO of the Board, Pankaj Gupta, Dy. CEO and Administrator of the Gurukul, Vice Principal, Acharyas, award-winning students and their parents were present on the occasion.

Governing Council reviews functioning of SMVD Gurukul

Excelsior Correspondent

JAMMU, July 6: The 24th meeting of Governing Council for Shri Mata Vaishno Devi Gurukul, Charan Paduka, Katra, was held here in which a number of important decisions were taken, interalia, for enhancing employability of the students passing out from the Gurukul.

In this context, the Governing Council decided that practical and vocational training will be imparted to the Shastri Class students of the Gurukul in Vedic Mantras, Karam Kand, Jyotish, Vastu Shastra and other religious ceremonies and rituals. Towards realisation of this objective, the meeting also decided to set up a Counselling Cell to guide the students about various career options and available opportunities.

Dr Ashok Bhan, Member of the Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, chaired the meeting, which was attended by Simrandeep Singh, Chief Executive Officer, Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board; Prof. Yugal Kishore Mishra; Prof. Vishwamurti Shastri; Hem Kant Pradhan, Chief Accounts Officer; Dr. Arvind Karwani, Deputy Chief Executive Officer of the Shrine Board and Administrator of Gurukul; Gopal Dass Sharma, Head Pujari, Bhawan, and Dr. Dhananjay Mishra, Principal of the Gurukul.

Dr. Bhan emphasised on enhancement of functional knowledge and expertise of the Gurukul students alongside focussing on academics to enable them to find adequate employment opportunities once they pass out from the Gurukul.

While reviewing the functioning of the Smart Classes introduced in the Gurukul, the GC desired that the available technology should be optimally utilised for enhancing the knowledge base of the students for ensuring effective teaching and learning process of Sanskrit language in this institution, which is being developed as a centre of excellence.

Underscoring the importance of organising study visits for students to the various places of spiritual, historical, cultural and educational interest, the GC approved a proposal of organising Bharat Darshan tour for the students of Shastri Part-III of the Gurukul during 2019-20 academic session to the various parts of the country.

The Principal of Gurukul apprised that presently 177 students are studying from class 6th to Shastri Part-III in this fully residential institution which was established by the Shrine Board in 2010. Education, boarding, lodging, books, uniforms etc. are being provided to the students by the Shrine Board totally free of cost. The Board has also made elaborate arrangements for indoor and outdoor games at the Gurukul, besides organising debating competitions and other extra-curricular activities for overall personality development of the students.

Bail denied to fraudster

Excelsior Correspondent

JAMMU, July 6: Sub-Judge Jammu Pawan Kumar Sharma has rejected bail application of Ranjeet Kumar, who along with one Nisar Azad, was booked by Police Station Pacca Danga for duping the innocent unemployed youth on the pretext of providing Government job.

After hearing Senior PO Puja Nijhon for the State, Sub-Judge observed, "The way the accused has destroyed career of many youth under false assurance of providing job and investigation is yet to be completed in the case".

"Moreover the punishment in the offence in which accused is involved is up to life imprisonment", the court said while dismissing the bail application.